खबर संक्षेप

डायल 112 के जांबाज पुलिसकर्मियों को मिला नगद इनाम

शहडोल। जिले में मुस्तैदी से गश्त करने, वारदात की त्वरित सूचना देने और मौके पर सटीक वीडियोग्राफी-फोटोग्राफी कर अपराधियों की रीढ़ तोडने वाले डायल 112 के जवानों पर पुलिस अधीक्षक ने इनामों की बारिश की है। एसपी ने कर्तव्यपरायणता की मिसाल पेश करने वाले आरक्षक कृष्णनंद यादव को 10,000 रुपये और सूझबूझ दिखाने वाले पायलट (चालक) धनीराम को 5,000 रुपये के नगद पुरस्कार से नवाजा है। पुलिस महकमे की इस त्वरित कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि कामचोरों को हंटर और जांबाजों को सम्मान मिलना तय है।

8 थानों में परखी आगजनी से निपटने की ताकत

शहडोल। आगजनी की आपदाओं से निपटने और दंगाइयों-हादसों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए शहडोल पुलिस ने अपनी कमर कस ली है। पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देश पर आज जिले के 8 विभिन्न थानों में फायर मॉक ड्रिल का धुआंधार आयोजन किया गया। इस हाई-वोल्टेज अभ्यास का मकसद आपातकाल में पुलिस की त्वरित कार्रवाई और जान-माल की हिफाजत को परखना था। जवानों को अग्निशमन उपकरणों के अचूक इस्तेमाल और तबाही के बीच फंसे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का कड़ा प्रशिक्षण दिया गया। साफ संदेश है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचेगी।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, आरोपी पहुंचा जेल

शहडोल। शादी का पवित्र झांसा देकर एक युवती की जिंदगी नर्क बनाने वाले और चार महीने की गर्भवती कर जान से मारने की धमकी देने वाले शातिर आरोपी आशीष व्याघा को अमलाई पुलिस ने सलाखों के पीछे धकेल दिया है। पीड़िता की रोंगटे खड़े करने वाली शिकायत के मुताबिक, रावल मार्केट निवासी आरोपी आशीष व्याघा पिछले डेढ़ साल से शादी का नाटक रचकर लगातार पीड़िता का शारीरिक शोषण कर रहा था। इस हवस के खेल के चलते पीड़िता चार महीने की गर्भवती हो गई। जब मजबूर पीड़िता ने उस पर शादी करने का दबाव बनाया, तो आरोपी का असली क्रूर चेहरा सामने आ गया। उसने शादी से साफ इनकार करते हुए पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गया।

चोरी का कोयला, बंधक बचपन और मलाई छानता सिस्टम

कोयलांचल में सुलग रहा अवैध ईंट भट्टों का काला साम्राज्य!

शहडोल। जिले का कोयलांचल क्षेत्र इन दिनों रेत, कबाड़ और नशे के बाद अब एक और बड़े काले कारोबार का गढ़ बन चुका है। धनपुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत धड़ल्ले से चल रहे अवैध ईंट भ_ों ने सरकार के राजस्व, पर्यावरण और कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं। यहां न तो पर्यावरण नियमों की परवाह है, न बाल श्रम कानून का खौफ और न ही चोरी का माल इस्तेमाल करने का डर। माजरा साफ है कि ईंट भ_ा संचालकों की ऊंची पहुंच और स्थानीय पुलिस-प्रशासन की मलाई मारो नीति के चलते यह पूरा खेल बेखौफ अंदाज में फल-फूल रहा है।

चोरी का कोयला, मुफ्त की मिट्टी-पानी

धनपुरी और आसपास के इलाकों में संचालित इन ईंट भ_ों का कड़वा सच यह है कि यहां जलने वाली आग सरकारी कोयले की चोरी से सुलग रही है। कॉलरी क्षेत्रों से अवैध रूप से निकाला जाने वाला चोरी का कोयला इन भ_ों पर खपाया जा रहा है। इतना ही नहीं, बिना किसी रॉयल्टी और अनुमति के बेखौफ होकर सरकारी व निजी जमीनों से उपजाऊ मिट्टी खोदकर पर्यावरण को तबाह किया जा रहा है। बिना अनुमति के धड़ल्ले से भूजल का दोहन हो रहा है, जिससे इलाके का वाटर लेवल लगातार गिर रहा है। आखिर माइनिंग और राजस्व विभाग की आंखें इस खुली लूट पर क्यों बंद हैं।

बाहरी मजदूरों का जमावड़ा

इन ईंट भ_ों पर काम करने वाले अधिकांश मजदूर बाहरी राज्यों और जिलों से लाए गए हैं। सबसे गंभीर और चिंताजनक बात यह है कि इन संदिग्ध और बाहरी मजदूरों का कोई पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया गया है, न ही स्थानीय थाने को इसकी कोई सूचना दी गई है। कानून व्यवस्था के लिहाज से यह लापरवाही कभी भी किसी बड़ी वारदात का कारण बन सकती है। इसके अलावा, इन मजदूरों के रहने और सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। इन भ_ों पर सबसे दर्दनाक मंजर यह है कि यहां बाल श्रम कानून के चीथड़े उड़ाए जा रहे हैं। जिन मासूमों के हाथों में किताबें होनी चाहिए, वे इन भ_ों पर तपती धूप में ईंटें पाथते और सुखाते नजर आ रहे हैं।

यह कहते हैं ईंट भ_ा संचालन नियम

नियमों के मुताबिक, एक वैध ईंट भ_ा संचालित करने के लिए लंबी और सख्त प्रक्रिया होती है, जिसे धनपुरी के इन माफियाओं ने कचरे के डिब्बे में डाल दिया है। मिट्टी उत्खनन के लिए खनिज विभाग से बाकायदा लीज या अनुमति लेनी होती है और सरकार को प्रति घन मीटर के हिसाब से रॉयल्टी चुकानी पड़ती है। पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे, इसके लिए प्रदूषण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है। आबादी क्षेत्र, राष्ट्रीय राजमार्ग और जंगलों से भ_ की दूरी तय नियमों के मुताबिक होनी चाहिए। भ_ पर काम करने वाले सभी मजदूरों का श्रम विभाग में रजिस्ट्रेशन होना चाहिए। उन्हें न्यूनतम मजदूरी, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षा उपकरण (ग्लब्ज, जूते, मास्क) देना अनिवार्य है। बाल श्रम पूरी तरह प्रतिबंधित है। बाहरी मजदूरों की पूरी जानकारी, आधार कार्ड और चरित्र सत्यापन स्थानीय पुलिस थाने में जमा कराना कानूनी रूप से अनिवार्य है।

नियम विरुद्ध संचालन होनी चाहिए कार्यवाही

यदि प्रशासन अपनी कुंभकर्णी नींद से जागे, तो इन अवैध संचालकों को सीधे जेल की हवा खानी पड़ सकती है। बिना अनुमति मिट्टी खोदने और अवैध परिवहन पर भारी जुर्माने के साथ गाडियां और माल जब्त करने का प्रावधान है। चोरी का कोयला खरीदने और इस्तेमाल करने के जुर्म में आईपीसी (अब भारतीय न्याय संहिता) और कोल बेयरिंग एक्ट के तहत सीधे आपराधिक मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की जा सकती है। भ_ों पर नाबालिगों से काम कराने पर संचालक को 6 महीने से 2 साल तक की जेल और 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का भारी जुर्माना हो सकता है। बिना चिमनी और बिना एनओसी के प्रदूषण फैलाने वाले भ_ों को तत्काल सील कर पर्यावरणीय जुर्माना लगाया जा सकता है।

कब टूटेगी सांठ-गांठ की मलाईदार कड़ियां

आखिरकार सवाल धनपुरी पुलिस और स्थानीय प्रशासन की साख पर आकर टिकता है। क्या यह मुमकिन है कि शहर की नाक के नीचे इतना बड़ा सिंडिकेट चल रहा हो और साहबों को भनक तक न हो? हकीकत यह है कि हर महीने तय नजराना जिम्मेदारों की जेबों तक पहुंच रहा है, जिसके बदले माफियाओं को अवैध कारोबार की खुली छूट मिली हुई है। अब देखना यह है कि इस कड़वे खुलासे के बाद कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक इन अवैध भ_ा संचालकों और उनके मददगारों पर बुलडोजर जैसी कार्रवाई करते हैं या फिर कागजी खानापूर्ति कर इस काली कमाई के खेल को जारी रहने दिया जाएगा।

डिब्बों में डीजल बांटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, प्रशासन मौन

बुढार/अमलाई। एक तरफ जहां देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार कानून व्यवस्था और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बुढार-अमलाई मुख्य मार्ग पर स्थित बजरंग फिलिंग स्टेशन (इंडियन ऑयल) पर इन अपीलों और जिला प्रशासन के सख्त निर्देशों को सरेआम पैरों तले रौंदा जा रहा है। अब तक जो खेल पर्दे के पीछे चल रहा था, उसका एक जीवंत वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने पंप संचालक की मनमानी और रसूख की पोल पट्टी खोलकर रख दी है।

जितना मांगो, उतना डीजल हाजिर

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कैसे जिला प्रशासन के स्पष्ट आदेशों को ठेंगा दिखाते हुए खुलेआम प्लास्टिक के डिब्बों और जरिकनों में डीजल भरा जा रहा है। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि सुरक्षा नियमों को ताक पर रखकर, बिना किसी डर के जितना मांगा जा रहा है, उतना डीजल डिब्बों में उड़ेला जा रहा है। यह वायरल वीडियो चीख-चीखकर गवाही दे रहा है कि इस पंप पर नियमों का पालन करवाना तो दूर, खुद संचालक की शह पर ही इस अवैध काम को अंजाम दिया जा रहा है।

हादसे को खुला निमंत्रण

रूंगटा मोड़ जैसे व्यस्त इलाके के मुख्य मार्ग पर स्थित इस पेट्रोल पंप पर दिन-रात वाहनों की भारी आवाजाही रहती है। ऐसे में खुले बर्तनों में अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ की यह धड़ल्ले से हो रही बिक्री किसी बड़े हादसे को खुला निमंत्रण है। यह लापरवाही सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि वहां आने-जाने वाले सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान से खिलवाड़ है। इसके साथ ही, यह वीडियो क्षेत्र में डीजल की कालाबाजारी और अवैध भंडारण के काले कारोबार की ओर भी साफ इशारा कर रहा है।

सबूत सामने आने के बाद भी क्यों सोया है अमला

अब जब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है और पूरा सच जनता के सामने आ चुका है, तब भी जिला प्रशासन और खाद्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी रहस्यमयी बनी हुई है। जनता अब खुलकर सवाल उठा रही है कि पुख्ता सबूत सामने आने के बाद भी आखिर इस निरंकुश संचालक पर मेहरबानी क्यों बरती जा रही है? स्थानीय नागरिकों ने पुरजोर मांग की है कि वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए प्रशासन तत्काल इस पंप को सील करे और संचालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

जल स्त्रोतों एवं अपनी धरोहर को बचाने आयोजित किए गए श्रमदान कार्यक्रम

जल स्त्रोतों के पूजन, जल कलश यात्रा तथा जलाभिषेक के साथ आयोजित किए गए सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम

शहडोल। जल ही जीवन है। जल के बिना जीवन संभव नहीं है। जल संरक्षण के कार्य को प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा, तभी जल संकट से मुक्ति मिल सकती है। भारतीय संस्कृति और हिन्दू धर्म में नदियों एवं जल स्त्रोतों को मात्र जल स्त्रोत नहीं, बल्कि देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। इनमें गंगा का स्थान सर्वोपरि है। गंगा दशहरा अथवा गंगा अवतरण ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला प्रमुख त्यौहार है, जिसे गंगा दशहरा के नाम से जाना जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन पूरे प्रदेश में किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य जल स्त्रोतों का संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्जीवन करना है, ताकि प्रदेश जल संकट से मुक्त हो सके। अभियान के तहत नदियों, तालाबों, कुओं, बावडियों, चेक डैम एवं अन्य जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, गहरीकरण, स्वच्छता तथा सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है।

गंगा दशहरा के पावन पर्व पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति के मार्गदर्शन में गांव-गांव में स्थानीय जन सहभागिता से जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, गहरीकरण तथा संरक्षण का कार्य अभियान के रूप में संचालित किया जा रहा है। इन कार्यों में जन अभियान परिषद, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्थानीय जनसमुदाय, बुजुर्गों, बच्चों एवं महिलाओं तथा पंचायती राज प्रतिनिधियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम लालपुर में जल स्त्रोत का पूजन, शिव मंदिर में जलाभिषेक तथा स्वच्छता अभियान एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत जयसिंहनगर के सेक्टर-02 अंतर्गत अमझोर में नवांकुर संस्था जय श्रीराम जन सेवा एवं जन कल्याण समिति लपरी द्वारा कैलाश धाम मंदिर के पास स्थित कुएं की साफ-सफाई की गई। जनपद पंचायत बुढ़ार में प्रस्फुटन समिति के सदस्यों द्वारा ग्राम पकरिया में जल स्त्रोत का पूजन, ठाकुर बाबा मंदिर प्रांगण की साफ-सफाई एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत गोहपारू में नवांकुर संस्था अवध बिहार बाल कल्याण समिति गोहपारू द्वारा जल स्त्रोत पूजन, स्वच्छता एवं कलश यात्रा तथा जल गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसी प्रकार जनपद पंचायत गोहपारू के भमरहा एवं मऊ में भी जल संरक्षण के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

3 किमी पैदल रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा जैन संतों पर हमले का मौन विरोध

बुढार । गत दिवस रीवा शहर में 2 जैन साध्वियां पर सीधे गाड़ी से टक्कर मारकर जान बूझ की गई हत्या के एक विरोध में आज 25 को संपूर्ण भारतवर्ष मैं मैं मोहन रैलियां निकालकर प्रशासन के आलाधिकारियों के समक्ष ज्ञापन सौंपा गया। इस संदर्भ में बुढार नगर में भी जैन मंदिर से लगभग 3 किलोमीटर पैदल चलकर करीब धूप में तहसीलदार को साधु सेवा सुरक्षा हेतु ज्ञापन सौंपा गया। जैन साध्वियों की जानबूझकर गाड़ी से टक्कर मारकर की गई हत्या को लेकर जैन समाज में इतना अधिक आक्रोश भरा हुआ है कि समाज का बच्चा-बच्चा महिलाएं पुरुष प्रत्येक घर देखे व्यक्ति स्वेच्छा से जुलूस में मौन रहकर अपना विरोध प्रकट करता हुआ नजर आया। बुढार जैन समाज ने अपनी कुछ मांगों के साथ प्रशासन से मांगे रखी है कि जब भी जैन साधु या संत जो कि सिर्फ पैदल ही भ्रमण कर अपनी धर्म प्रभावनन के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पैदल ही नंगे पैर भ्रमण करते हैं, उन्हें मार्ग में व्यवस्थित सुरक्षा प्रदान की जाए एवं रीवा में हुई 2 जैन साध्वियां की जानबूझकर की गई हत्या कि निष्पक्ष जांच कराई जाए।

विद्यार्थियों का कम्प्यूटर एवं एआई विषयों में दक्ष होना आवश्यक: कलेक्टर

कलेक्टर ने विद्यार्थियो को पढ़ाया ए.आई और कम्प्यूटर का ज्ञान

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने शासकीय संदीपनि उच्चतर माध्यमिक माध्यमिक विद्यालय छतवई में आकाक्षा ब्लॉक प्रोग्राम अंतर्गत कक्षा 6 से 12 वीं तक विद्यार्थियो को दिए जाने वाले 6 महीने तक ए.आई. आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कलेक्टर ने विद्यार्थियो को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय पर कम्प्यूटर एवं ए.आई. आधारित विषयों में दक्ष होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कम्प्यूटर एवं ए.आई. से प्राप्त जानकारी को अनिवार्य रूप से लिखे इसके लिए स्वयं का नोट्स का तैयार करें। कलेक्टर ने कहा कि ए.आई. के अनावश्यक उपयोग से बचना होगा और ए.आई का उपयोग सकारात्मक दिशा में करना है, प्रत्येक प्रश्न का जबाव त्वरित एवं सटीक प्राप्त होता है। कलेक्टर ने विद्यार्थियो को एम.एस. वर्ड, एमएस एक्सेल, की-बोर्ड, चैट जीपीटी जैसे अन्य विषयो को प्रयोगात्मक ढंग से समझाया। कलेक्टर को प्राचार्य ने अवगत कराया गया कि शासकीय संदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतवई में कक्षा 6 से 12वीं तक के 225 विद्यार्थियो द्वारा ए.आई. आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु पंजीयन कराया गया। यह प्रशिक्षण आगामी नवम्बर एवं दिसम्बर तक संचालित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, ए.आई. डायरेक्टर रसाद खान सहित संबंधित अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

गंगा दशहरा के अवसर पर लालपुर में जल संरक्षण का दिया गया संदेश

सामूहिक जल स्त्रोत का पूजन एवं भव्य कलश यात्रा का हुआ आयोजन

शहडोल। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर विकासखंड सोहागपुर के ग्राम लालपुर में सामूहिक जल स्त्रोत पूजन, शिव मंदिर में जलाभिषेक, स्वच्छता अभियान, कलश यात्रा एवं जनजागरूकता गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं एवं प्रस्फुटन समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर जल संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम के प्रमुख जल स्त्रोतों के पूजन एवं स्वच्छता अभियान से हुई। ग्रामीणों ने जल स्त्रोतों की साफ-सफाई कर जल संरक्षण का संकल्प लिया। इसके पश्चात शिव मंदिर में जलाभिषेक किया गया, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं पर्यावरण संरक्षण की कामना की।

गंगा दशहरा के अवसर पर निकाली गई भव्य कलश यात्रा आकर्षण का केंद्र रही। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं युवतियों ने सिर पर कलश धारण कर सहभागिता की। पूरे ग्राम में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता एवं जनजागरूकता का उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल स्त्रोतों का संरक्षण करना हम सभी की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन, जल के सदुपयोग तथा जल स्त्रोतों की नियमित साफ-सफाई के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर, जिला समन्वयक विवेक पांडेय, ब्लॉक समन्वयक श्रीमती प्रिया सिंह बघेल, नवांकुर संस्था से लोकनाथ नामदेव, सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत सिंह एवं प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए सामुदायिक सहभागिता का प्रेरणादायी संदेश दिया गया।

खबर संक्षेप

एसडब्ल्यूएफएच जबलपुर द्वारा किया जा रहा बाघ का पीएम

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाइगर रिजर्व ने बताया कि 24 मई कि घटना के बाद कई समाचार पत्र, सोशल मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में यह प्रसारित है कि बाघ की मृत्यु ट्रॅकुलाइजेशन ड्रग के ओवरडोज के कारण हुई। टाइगर की मौत ट्रैकुलाइजेशन के पूर्व ही हो जाना भी एक संभावना है। संपूर्ण तथ्य पीएम तथा पीएम के दौरान इक_ किए गए सैंपल्स के परीक्षण से ही स्पष्ट हो पाएगा। दिनांक 24 मई को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में दोपहर बाद एनटीसीए प्रोटोकाल का पालन करते हुए पीएम कराया गया तथा समस्त आवश्यक सैंपल्स भी एकत्रित किए गए। वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त मार्गदर्शन अनुसार 25 मई को पुनः एसडब्ल्यूएफएच जबलपुर ईएसए पीएम हो रहा है तथा आवश्यक सैंपल्स एकत्रित किए जा रहे हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व सही तथ्यों को प्रस्तुत करने हेतू सजग है तथा वरिष्ठ कार्यालय के मार्गदर्शन में समस्त कार्यवाही की जा रही है।

वन संपत्ति चोरी करने वाले चार आरोपितों को भेजा गया हवालात

कटनी। ढीमरखेड़ा पुलिस ने वन संपत्ति चोरी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। आरोपियों के कब्जे से फेंसिंग जाली के दो बंडल एवं दो मोटरसाइकिल जब्त की गई हैं। पुलिस के अनुसार प्रार्थी रामकुशल मिश्रा निवासी ग्राम रामपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 21 मई की रात वन विभाग के बीट प्रभारी अंकित गौतम द्वारा सूचना दी गई कि ग्राम खिरवा पोड़ी स्थित वन कक्ष पीएफ-297 एनपीबी में लगी फेंसिंग जाली कुछ लोग चोरी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस एवं वन अमले ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की।कार्रवाई के दौरान प्रदीप यादव (27), उमाकांत यादव (31), राजकुमार यादव (35) और सुरेश प्रसाद यादव (52) निवासी खिरवा पोड़ी को गिरफ्तार किया गया।

डिमांड पूरी न होने पर रची गई निलंबन और तबादले की साजिश

भ्रष्टाचार और प्रताड़ना के चक्रव्यूह में फंसा सिस्टम

जयसिंहनगर में एसडीएम, तहसीलदार और पटवारी पर गंभीर आरोप
तंग आकर पटवारी ने दिया इस्तीफा

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर राजस्व अनुभाग में भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और प्रशासनिक तानाशाही का एक ऐसा रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने समूचे प्रशासनिक महकमे में हडक़ंप मचा दिया है। जयसिंहनगर में पदस्थ एक पटवारी रमेश कुमार पटेल ने तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी सुश्री काजोल सिंह, प्रभारी तहसीलदार श्रीमती सुषमा धुर्वे और राजस्व निरीक्षक अनिल पटेल पर मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से बुरी तरह प्रताड़ित करने और साजिश रचकर ट्रांसफर-सस्पेंशन का खेल खेलने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। प्रताडऩा की पराकाष्ठा इस कदर पार हो चुकी है कि मजबूर होकर पीड़ित पटवारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पीड़ित ने कमिश्नर को लिखित शिकायती पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

एसडीएम की व्यवस्था की लिए मांगे 40 हजार

शिकायत के मुताबिक, इस पूरे विवाद की जड़ में अवैध धन की वो अंतहीन भूख है जो अक्सर रसूखदार अधिकारियों के कमरों से शुरू होती है। आरोप है कि प्रभारी तहसीलदार श्रीमती सुषमा धुर्वे द्वारा नवपदस्थ एसडीएम सुश्री काजोल सिंह के रहने-खाने की शाही व्यवस्था करने के नाम पर पटवारी रमेश कुमार पटेल से फोन पर 40,000 (चालीस हजार) रुपये की मोटी रकम की मांग की गई थी। पटवारी ने किसी तरह 5,000 रुपये नकद प्रभारी तहसीलदार को और 5,000 रुपये फोन-पे के माध्यम से एक अन्य पटवारी राजभान सिंह के जरिए भिजवाए, लेकिन साहब की भूख इतनी कम में कहां मिटने वाली थी, शेष राशि न मिलने पर मैडम भडक़ उठीं और यहीं से पटवारी को तबाह करने का प्रशासनिक खेल शुरू हुआ।

नियम-कानूनों को ताक पर रखकर खेला बदले का खेल

रिश्वत की पूरी रकम न मिलने से आगबबूला हुई प्रभारी तहसीलदार ने बदला लेने की नीयत से महज 6 महीने के भीतर ही पटवारी का ट्रांसफर मुख्यालय हल्का बराछ नगनौंडी से हटाकर बनसुकली मुदारिया टोला कर दिया। जबकि तहसील के अन्य मलाईदार पटवारी पिछले 5 सालों से अपने मूल मुख्यालयों पर जमे हुए हैं, उन्हें छूने तक की हिम्मत किसी की नहीं हुई। पीड़ित पटवारी अपनी 73 वर्षीय वृद्ध व विधवा मां की सेवा का भार संभाले हुए था, लेकिन उसके मानवीय आवेदनों को कचरे के डिब्बे में फेंक दिया गया।

न्यायालय का दरवाजा खटखटाया

तानाशाही का खेल तब देखने को मिला जब बिना किसी कारण बताओ नोटिस के और अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर प्रभारी तहसीलदार और आरआई ने सोची-समझी साजिश के तहत पटवारी रमेश कुमार पटेल को निलंबित कर दिया। मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा खंडिका (2) के तहत पटवारी की नियुक्ति और निलंबन का अधिकार केवल जिला कलेक्टर को है, लेकिन नियमों को पैरों तले रौंदते हुए इन अधिकारियों ने खुद को ही सर्वेसर्वा मान लिया। हालांकि, इस घिनौनी साजिश के खिलाफ पटवारी ने उच्च न्यायालय जबलपुर का दरवाजा खटखटाया, जहां माननीय न्यायालय ने निलंबन को पूरी तरह अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए पटवारी को बहाल कर दिया।

कोटवार भर्ती और नामांतरण में लाखों के वारे-न्यारे

न्यायालय के आदेश पर बहाल होने के बाद भी

इन अधिकारियों की हठधर्मिता कम नहीं हुई। जब पीड़ित पटवारी कोर्ट का आदेश लेकर जॉइन करने पहुंचा, तो प्रभारी तहसीलदार ने उसका आवेदन मुंह पर फेंकते हुए अहंकार में कहा अब जाओ, कोर्ट ही तुम्हें वेतन और हल्का देगा, नतीजतन, पीड़ित पटवारी को सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर, जनवरी और फरवरी का वेतन तक नहीं दिया गया। आर्थिक रूप से पंगु बनाने की इस साजिश के पीछे का मकसद पटवारी को पूरी तरह तोडऩा था।

फर्जी तरीके से हुई नियुक्तियां

जयसिंहनगर तहसील के भीतर चल रहे बड़े घोटालों की पोल भी खोल दी है। पटवारी ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि प्रभारी तहसीलदार सुषमा धुर्वे और आरआई अनिल पटेल की सांठ-गांठ से कोटवारों की भर्ती में प्रति कोटवार 1,50,000 से लेकर 2,40,000 रुपये तक की भारी वसूली की गई है। गयादीन सिंह गोड नामक व्यक्ति की कोटवार पद पर फर्जी तरीके से नियुक्ति की गई, जिसकी आरटीआई के तहत मांगी गई कॉपियां भी दबा दी गईं। इसके अलावा, आरआई अनिल पटेल द्वारा मनमाने ढंग से बैक डेट में और नियमों के विरुद्ध फाइलों को निपटाकर जमीनों के अवैध नामांतरण किए गए, जिसकी पुष्टि शिकायत के साथ संलग्न कई राजस्व प्रकरणों की प्रतियों से होती है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग

प्रशासनिक तंत्र के इस घिनौने चेहरे और तीन-तीन अधिकारियों की लगातार मिल रही मानसिक, शारीरिक और आर्थिक प्रताडऩा से टूट चुके पटवारी रमेश कुमार पटेल ने आखिरकार हार मानकर अपने पद से इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि अब उनमें इस प्रताडऩा को सहने की शक्ति नहीं बची है। अब देखना यह है कि इस हाई-प्रोफाइल शिकायती पत्र के बाद कमिश्नर और शासन के आला अधिकारी इन भ्रष्ट और तानाशाह कुर्सियों पर बैठे जिम्मेदारों पर क्या हंटर चलाते हैं या फिर एक गरीब और ईमानदार कर्मचारी का इस्तीफा इसी तरह फाइलों में दफन हो जाएगा। स्थानीय जनता में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है और निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज हो गई है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री निवास, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार संबंधी पत्रों तथा फैक्ट न्यूज मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों एवं प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में कार्यपालन यंत्री को पेयजल संबंधी शिकायतों का प्रतिदिन निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं,जल निगम को निर्देशित किया गया कि इंदवार एवं करनपुरा-1 परियोजना क्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर ग्राम स्तर पर सर्वे कर कमियों में सुधार करते हुए पंचायतों को योजनाएं हैंडओवर की जाएं। कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को लेकर प्राप्त हो रही शिकायतों पर नाराजगी जताई। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में व्यवस्थाएं सुचारु रखी जाएं, ताकि मरीजों को बेहतर एवं समय पर उपचार मिल सके। इसके अलावा चंदिया वेयरहाउस में तौल संबंधी शिकायतों की जांच के निर्देश जिला आपूर्ति अधिकारी को दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर पी.के. सेनगुप्ता, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया एवं अमित सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

टीकाकरण की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने व्यक्त नाराजगी

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एएनसी पंजीयन, प्रथम तिमाही में एएनसी पंजीयन, अनमोल पोर्टल 2.0, पीडब्ल्यू रजिस्ट्रेशन, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की स्थिति, टीकाकरण, रक्तदान की उपलब्धता, परिवार कल्याण कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम तथा बाल मृत्यु समीक्षा सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

एएनसी पंजीयन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रथम तिमाही में कुल वार्षिक लक्ष्य 25,401 निर्धारित है। इसके विरुद्ध अनुपातिक लक्ष्य 1,814 तथा उपलब्धि 1,390 दर्ज की गई है। अनमोल पोर्टल 2.0 रजिस्ट्रेशन एवं उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की समीक्षा में जानकारी दी गई कि जिले में 1,422 के लक्ष्य के विरुद्ध 640 महिलाओं में एनीमिया की पहचान की गई है, जबकि 459 महिलाओं का एनीमिया प्रबंधन किया गया है। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सीएमएचओ को नियमित रूप से डाटा एंट्री सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

टीकाकरण की समीक्षा में बताया गया कि 1 अप्रैल से 22 मई तक करकेली विकासखंड में 73 प्रतिशत, मानपुर विकासखंड में 52 प्रतिशत तथा पाली विकासखंड में मात्र 34 प्रतिशत टीकाकरण कार्य पूर्ण हुआ है। खराब प्रगति पर कलेक्टर श्रीमती सहाय ने कड़ी नाराजगी जताते हुए जिला टीकाकरण अधिकारी को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर टीकाकरण में शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित की जाए, अन्यथा कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

रक्तदान की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अधिक से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 1 अप्रैल से 22 मई तक 2,12,864 के लक्ष्य के विरुद्ध 38,377 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। वर्तमान में 388 व्यक्तियों का टीबी उपचार जारी है। जिले में निक्षय मित्रों की संख्या 1,617 है तथा 375 व्यक्तियों को फूड बास्केट वितरित किए जा चुके हैं। एनसीडी कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्क्रीनिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस.चंदेल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल स्रोतों का पूजन, दीप प्रज्ज्वलन और सफाई अभियान चला

गंगा दशहरा पर जल संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर विकासखंड अनूपपुर अंतर्गत सेक्टर क्रमांक-04 में जन अभियान परिषद के नेतृत्व तथा नगर विकास प्रस्फुटन समिति पसान नवांकुर संस्था के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों ने जल स्रोतों का पूजन, दीप प्रज्ज्वलन, शिवलिंग पर जलाभिषेक, भजन-कीर्तन एवं जल स्रोतों की साफ-सफाई कर जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार एवं जन अभियान परिषद अनूपपुर के तत्वावधान में आयोजित किया

गया। इसका उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना रहा। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, कुएं एवं अन्य जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। उपस्थित लोगों ने जल की महत्ता को समझते हुए भविष्य के लिए जल बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जल केवल संसाधन नहीं बल्कि जीवन का आधार है और इसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। नगर विकास प्रस्फुटन समिति पसान नवांकुर संस्था की प्रतिनिधि एवं परामर्शदाता शिवानी सिंह की उपस्थिति में प्रस्फुटन समिति प्यारी नंबर-2, चुकान, बरतराई, पसान, गंभीरवाटोला एवं सोहीबेल्हा के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में दशरथ सिंह, मीना केवट, बेसाहन इतिहास प्रजापति, कृष्णा देवी, पारस मुखर्जी, रमेशलाल सहित समिति सदस्य, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, जीआरएस, पंचायत प्रतिनिधि, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण की शपथ लेते हुए संदेश दिया कि जल की प्रत्येक बूंद अमूल्य है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे बचाना आवश्यक है। जल ही जीवन है, जल है तो कल है" के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

नौतपा प्रारंभ, नौ दिनों तक पड़ने वाली है भीषण गर्मी

हरिभूमि कोतमा। सोमवार से नौतपा की शुरुआत हो गई। गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। लेकिन ज्योतिष विद्वानों के अनुसार, अभी तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। बता दें कि जब ज्येष्ठ मास में सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं तो उस अवधि को नौतपा कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की चाल बदलने से न केवल राशियों पर प्रभाव पड़ता है बल्कि पर्यावरण देश-विदेश में चल रही गतिविधियों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। बता दें कि सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर चुके हैं जिससे नौतपा शुरू हुआ। पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि हर बार नौतपा मई के महीने में पड़ता है। इस बार सूर्य देव 25 मई सोमवार को रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश किए हैं और 2 जून तक इसी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे। रोहिणी नक्षत्र में रहने की अवधि 15 दिन की है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, चंद्र रोहिणी नक्षत्र के स्वामी हैं और शीतलता के कारक ग्रह हैं। ऐसे में रोहिणी नक्षत्र में सूर्य के प्रवेश से वातावरण पर विशेष प्रभाव पड़ता है। इस दौरान पृथ्वी को पूर्ण रूप से शीतलता नहीं मिलती है और तपमान में सर्वाधिक बढ़ोतरी हो जाती है। नौतपा का वर्णन श्रीमद्भगवद्गीता में भी किया गया है। सोमवार को नौतपा की शुरुआत होते ही गर्मी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। सुबह से ही आसमान मे बादल छाये हुए थे दोपहर 12 बजे से तेज धूप के साथ ही लू के थपेड़े चलने शुरू हो गए थे। सोमवार को भीषण गर्मी थी कि घरों में लगे पंखे कूलर एसी भी काम नहीं कर रहे थे। गर्मी में लोगों का बुरा हाल हो रहा था। जब यह हाल शुरुआत मे ही है तो अभी तो पूरे 1 सप्ताह बाकी है स्थिति क्या होगी। वही दिन के तापमान में भी बढ़ोतरी होने के कारण लोग गर्मी से परेशान नजर आए। जिसके कारण लोग यह मान रहे हैं कि इस नौतपा में उमश भरी गर्मी से छुटकारा नहीं मिलेगा। सोमवार को नौतपा की शुरुआत में ही कोतमा नगर में बाजार आने वाले लोग दोपहर में चेहरे को कपड़े से ढक कर खरीदारी करने निकल रहे थे। बता दे की सोमवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है जो सबसे गर्म दिन रहा। वही दोपहर को आंशिक रूप से बादल छाए रहे।

घड़ा, बाल्टी और बोतल लेकर जनपद कार्यालय पहुंचीं महिलाएं

पानी संकट पर फूटा गुस्सा, नल-जल योजना ठप होने का आरोप
प्रदर्शन में व्यवस्थागत अनियमितताओं पर भी उठे सवाल, सीईओ ने दिए तत्काल राहत के निर्देश

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते पेयजल संकट के बीच सोमवार को जनपद पंचायत कार्यालय के सामने महिलाओं का आक्रोश खुलकर सामने आया। नव-चेतना महिला फाउंडेशन के नेतृत्व में सेकेंड कॉलोनी, पुरानी दफाई और बंधवा टोला की बड़ी संख्या में महिलाएं घड़ा, बाल्टी और पानी की खाली बोतलें लेकर जनपद कार्यालय पहुंचीं और अनोखे अंदाज में धरना-प्रदर्शन किया। महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन से तत्काल जल आपूर्ति बहाल करने और स्थायी समाधान की मांग की। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का आरोप था कि पिछले लगभग एक सप्ताह से नल-जल योजना पूरी तरह प्रभावित है, जिससे घरों में पीने के पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। महिलाओं ने बताया कि उन्हें रोजाना दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे घरेलू कामकाज और बच्चों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। करीब 44 डिग्री तापमान के बीच प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर समस्याओं के समाधान में देरी हो रही है और आम लोगों की परेशानियों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। धरने के दौरान कुछ महिलाओं ने यह भी आरोप लगाए कि हाल के समय में जनपद क्षेत्र में पानी सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अनियमितताएं बढ़ी हैं। प्रदर्शनकारियों ने इन समस्याओं को लेकर जनपद पंचायत सीईओ रवी ग्वाल से जवाबदेही तय करने की मांग उठाई और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में संबंधित अधिकारी की प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी। धरना-प्रदर्शन में जैनब निशा, अनीता द्विवेदी, सुनीता राठौर, आशा सिंह, सरोज विश्वकर्मा, दुर्गा सिंह, मीरा केवट, अर्चना शर्मा, नर्स भाई, हिरावती, मुन्नी केवट एवं तरसीला सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं। स्थिति को गंभीर होता देख जनपद पंचायत प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों से चर्चा की गई। महिलाओं की समस्याएं सुनने के बाद ने संबंधित पंचायत बदरा को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों के घरों तक तत्काल पानी के टैंकर पहुंचाए जाएं। साथ ही यह भी कहा गया कि जब तक नल-जल योजना पूरी तरह सुचारू नहीं हो जाती, तब तक वैकल्पिक जल व्यवस्था लगातार जारी रखी जाए। महिलाओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं हुआ और जल संकट बना रहा, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को जिला स्तर तक ले जाया जाएगा। फिलहाल प्रशासन के आश्वासन के बाद प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया, लेकिन महिलाओं ने कहा कि अब वे केवल आश्वासन नहीं, जमीन पर समाधान चाहती हैं।

अमरकंटक में आस्था, सेवा और संस्कार का अद्भुत संगम

श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में किया पुण्य स्नान एवं पूजन

अमरकंटक। मध्य प्रदेश की पावन तपोभूमि एवं प्रमुख धार्मिक-आध्यात्मिक तीर्थ नगरी अमरकंटक में अधिमास, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष अष्टमी एवं मघा नक्षत्र के शुभ संयोग पर श्रद्धा, सेवा और भक्ति का मनोहारी दृश्य देखने को मिला। मां नर्मदा की पावन गोद में श्रद्धालुओं का ऐसा जनसमूह उमड़ा, जहां आस्था के साथ संवेदना और सेवा का भाव भी समान रूप से दिखाई दिया। संस्कारधानी जबलपुर के रामपुर स्थित सर्वार्थ सिद्ध हनुमान प्रभात फेरी मंडल के लगभग डेढ़ सौ महिला एवं पुरुष श्रद्धालु विशेष रूप से अमरकंटक पहुंचे। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के पवित्र रामघाट तट पर पहुंचकर श्रद्धा और विश्वास के साथ स्नान किया तथा पुण्य सलिला के जल में आस्था की डुबकी लगाकर आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव प्राप्त किया। इसके पश्चात भक्तों ने भजन-कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन एवं प्रभु स्मरण करते हुए मां नर्मदा उद्गम स्थल मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से दर्शन, पूजन एवं अर्चन किया। पूरे परिसर में भक्ति का वातावरण व्याप्त रहा और श्रद्धालुओं की उपस्थिति से धार्मिक उल्लास का अद्भुत दृश्य निर्मित हुआ। मां नर्मदा के जयघोष और भक्तिमय स्वर पूरे क्षेत्र में गूंजते रहे। इसी क्रम में समाजसेवा और मानवीय संवेदना का प्रेरणादायी स्वरूप भी सामने आया। जबलपुर के समीप पाटन क्षेत्र से आए आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं ने समाजसेवी रवि सिंह ठाकुर के नेतृत्व में मां नर्मदा के पावन तट पर स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। स्नान उपरांत सभी महिलाओं ने मां नर्मदा उद्गम मंदिर पहुंचकर श्रद्धा एवं समर्पण भाव से पूजन-अर्चन कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। विशेष उल्लेखनीय है कि समाजसेवी रवि सिंह ठाकुर द्वारा प्रतिवर्ष दो बार आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को अपने निजी व्यय से अमरकंटक की धार्मिक यात्रा करवाई जाती है। इसी सेवा भावना के अंतर्गत इस वर्ष भी लगभग 51 महिलाओं को बस के माध्यम से अमरकंटक लाया गया, जहां उन्हें मां नर्मदा के दर्शन कराने के साथ-साथ क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण कराया गया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार और संवेदना का संदेश देने वाला प्रेरणास्पद प्रयास बनकर सामने आया। इस अवसर ने यह संदेश पुनः स्थापित किया कि जब आस्था के साथ सेवा और मानवीय संवेदना जुड़ जाती है, तब तीर्थ केवल दर्शन का माध्यम नहीं रह जाता, बल्कि जनकल्याण, आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का सशक्त आधार बन जाता है।

खबर संक्षेप

शहडोल में किन्नर महामंडलेश्वर और संतों का महासमागम

शहडोल। सनातन धर्म को आगे बढ़ाने और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना के उद्देश्य से शहडोल की पावन धरा पर दो दिवसीय भव्य राष्ट्रीय किन्नर महासमागम का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन में देशभर से किन्नर महामंडलेश्वर, जगद्गुरु और संतों का भारी जमावड़ा लगा हुआ है। यह गरिमामयी कार्यक्रम जगद्गुरु काजल ठाकुर मां (भोपाल) के पावन सानिध्य में आयोजित हो रहा है। इस विशाल समागम की मुख्य आयोजक शहडोल से सोनाली पटेल और सिवनी से सिवानी पटेल हैं।दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन देशभर से आए संत समाज और किन्नर समुदाय का जुड़ाव एवं एकत्रीकरण हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन यानी सोमवार को मुख्य अनुष्ठानों की श्रृंखला आयोजित हुई। सोमवार को संतों की उपस्थिति में विधि-विधान से पट्टाभिषेक (पदवी सौंपने का उत्सव) संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंत्रोच्चार और शुद्धिकरण के साथ 6 किन्नरों की सनातन धर्म में घर वापसी करवाई गई। भव्य शोभायात्राः शाम 4 बजे से शहर में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो गाजे-बाजे और पारंपरिक उल्लास के साथ मुख्य मार्गों से गुजरी। हमें राजनीति या धन-संपत्ति से मोह नहीं, समाज सेवा ही हमारा धर्म, प्रेस से चर्चा करते हुए जगद्गुरु काजल ठाकुर मां एवं अन्य वरिष्ठ संतों ने दो टूक शब्दों में कहा हमारा किसी भी धर्म से कोई विरोध नहीं है। जो जिस धर्म का है, वह अपनी आस्था से माने। हमारा राजनीति से कोई सरोकार नहीं है और न ही हमें धन-संपत्ति से कोई मोह है। हमें जो भी दान-दक्षिणा मिलती है, उसे हम धर्म-कार्य और समाज सेवा में लगाते हैं। अदालत के फैसलों पर बात करते हुए उन्होंने कहा, हम कोर्ट के हर निर्णय का सहर्ष स्वागत करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने समाज को सचेत करते हुए कहा कि जो लोग डरा-धमकाकर या दबाव बनाकर अवैध वसूली करते हैं, वे असली किन्नर नहीं हैं।यह भव्य आयोजन वैष्णव अखाड़ा मुंबई तथा किन्नर अखाड़ा भोपाल व उज्जैन की अगुवाई में संपन्न हो रहा है।

बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। चोर चाहे कितना भी शातिर हो, कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकता। ब्यौहारी थाना पुलिस ने बाइक चोरी की वारदात का महज कुछ ही दिनों में पर्दाफाश करते हुए एक शातिर चोर को दबोच लिया है, साथ ही उसके पास से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। मामला बीते 30 अप्रैल का है, जब बोकरा हाउस निवासी फरियादी महेंद्र कुमार पटेल की हीरो स्प्लेंडर बाइक को किसी अज्ञात चोर ने पार कर दिया था। वारदात के बाद से ही पुलिस की टीमें चोर की तलाश में सरगर्मी से जुटी थीं। इसी बीच मुखबिर से मिली सटीक सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर संदेह के घेरे में आए शिवम कुमार कोल 21 वर्ष, निवासी देवगांव को हिरासत में लिया।जब पुलिस ने आरोपी शिवम से कड़ाई से पूछताछ की, तो वह ज्यादा देर तक झूठ नहीं टिक सका और उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। 25 मई को आरोपी को गिरफ्तार कर सीधे माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया। इस त्वरित और सराहनीय कार्रवाई को अंजाम देने में ब्यौहारी थाना प्रभारी निरीक्षक जियाउल हक के कुशल नेतृत्व सहित प्रधान आरक्षक बिलाल खान, आरक्षक गंगा सागर गुप्ता और आरक्षक विवेक सूर्या की मुख्य और दमदार भूमिका रही।

साहबों ने मिलकर किया सरकारी बजट का बंदरबांट

20 साल से अधूरी पड़ी मानपुर की आंगनबाड़ी

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रक्सा से भ्रष्टाचार का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पंचायती राज और प्रशासनिक पारदर्शिता के दावों की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। यहां नौनिहालों के भविष्य के लिए बनाई जा रही आंगनबाड़ी की बिल्डिंग पिछले 20 सालों से अधर में लटकी हुई है। दो दशक का लंबा वक्त बीत जाने के बाद भी यह इमारत मुकम्मल नहीं हो सकी, जिससे साफ जाहिर होता है कि ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, इंजीनियर और जनपद के आला अधिकारियों ने मिलकर शासन की राशि को सीधे अपनी जेबों में डाल लिया है।

गोलमोल जवाब से खुली पोल

जब इस महाघोटाले के संबंध में पूर्व सचिव चित्रा गुप्ता से जानकारी मांगी गई, तो उनका गैर-जिम्मेदाराना और हास्यास्पद बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि 20 साल पुरानी बिल्डिंग है, जिसकी न कोई नींव थी और न कोई दीवार। उन्होंने बताया कि यह 4 लाख रुपये की बिल्डिंग है और इसकी कोई निर्माण एजेंसी ही नहीं है, इसे केवल मरम्मत कार्य के लिए स्वीकृत कराया गया था। पूर्व सचिव का यह गोलमोल जवाब खुद-ब-खुद साबित करता है कि नियमों को ताक पर रखकर केवल कागजों पर लीपापोती की गई और जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा मिलकर डकार लिया गया।

सच छुपाने की साजिश!

ग्राम पंचायत रक्सा के रिझौहा में बन रही इस आंगनबाड़ी बिल्डिंग में आज दिनांक तक निर्माण एजेंसी, लागत और मद की जानकारी देने वाला सरकारी बोर्ड क्यों नहीं लगाया गया। नियमों के मुताबिक हर निर्माण कार्य के सामने बोर्ड लगाना अनिवार्य है। लेकिन यहां जानबूझकर जानकारी छुपाई गई ताकि भ्रष्टाचार पर पर्दा डाला जा सके। निर्माण एजेंसी का बोर्ड न होना यह साफ इशारा करता है कि रक्सा पंचायत के नुमाइंदों, इंजीनियरों और जनपद पंचायत मानपुर के आला अधिकारियों की भूमिका इस पूरे भ्रष्टाचार में पूरी तरह संलिप्त है।

बजट ठिकाने लगाने का खेल

भ्रष्टाचार की हद तो तब हो गई जब पता चला कि इस अधूरी आंगनबाड़ी के ठीक सामने एक कचरा घर (डस्ट हाउस) खड़ा कर दिया गया। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक इस कचरा घर की यहां कोई जरूरत ही नहीं थी। आज स्थिति यह है कि इस कचरा घर में इंसानों का कचरा तो नहीं, बल्कि बड़े-बड़े पेड़-पौधे और झाडिय़ां उग आई हैं। बिना जरूरत के निर्माण कराकर सरकारी पैसे का दुरुपयोग करने का यह जीता-जागता सबूत है।

अधिकारियों ने साधी चुप्पी

इस लापरवाही और भ्रष्टाचार को लेकर जब जनपद पंचायत मानपुर में पदस्थ एसडीओ और जिम्मेदार इंजीनियरों से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। साहबों का यह रवैया और फोन से दूरी बनाना यह सिद्ध करता है कि मानपुर जनपद में बैठे आला अधिकारी खुद इस भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रहे हैं।

अब उच्च स्तरीय जांच की दरकार

अब इस पूरे मामले में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से क्षेत्र की जनता को भारी उम्मीदें हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस गंभीर और दो दशक पुराने घोटाले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। जनता का पैसा डकारने वाले इन भ्रष्टाचारियों की कलाई खुलना और इनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होना बेहद जरूरी है।

गंगा दशहरा पर सगरा तालाब में हुआ श्रमदान

जल संरक्षण एवं स्वच्छता का दिया संदेश

उमरिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर गंगा दशहरा पर्व के पावन अवसर पर संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सोमवार को जिले में व्यापक जल संरक्षण गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अभियान को जनभागीदारी आधारित जन-आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी क्रम में जिला मुख्यालय उमरिया स्थित सगरा तालाब में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह, कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय सिंह सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता कर श्रमदान किया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तालाब के किनारों पर जमा गाद को हटाने का कार्य किया तथा आमजन को जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह को निर्देशित किया कि तालाब परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा सगरा तालाब को अधिक आकर्षक एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्य शीघ्र कराए जाएं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,संयुक्त कलेक्टर रीता डहरिया,डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव,कमलेश नीरज तथा पार्षद त्रिभुवन प्रताप सिंह सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं - कलेक्टर श्रीमती सहाय

खाद्य सुरक्षा जांच में लापरवाही पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बढ़ती शिकायतों और खाद्य सुरक्षा विभाग की धीमी कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर ने साफ शब्दों में कहा कि आम नागरिकों की सेहत से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और मिलावटखोरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक के दौरान खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग और जांच की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पाया कि मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से लिए जा रहे नमूनों की संख्या नगण्य है तथा कई मामलों में सैंपल फेल होने के बाद भी प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इस पर उन्होंने खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा के सुस्त रवैए पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि जिले में प्रत्येक सप्ताह कम से कम एक बार मोबाइल लैब पहुंचे और बाजारों, होटल, ढाबों, मिठाई दुकानों तथा किराना प्रतिष्ठानों से खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच की जाए।

कलेक्टर ने विशेष रूप से दूध, मावा, पनीर, मसाले, तेल, मिठाई, नमकीन और पैकेज्ड खाद्य सामग्री की नियमित जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में खराब एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से फूड पॉइजनिंग और गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए जांच अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन खाद्य नमूनों की रिपोर्ट फेल आती है, उन प्रकरणों को तत्काल अपर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाए ताकि दोषियों के खिलाफ जुर्माना,लाइसेंस निरस्तीकरण और कानूनी कार्रवाई की जा सके। साथ ही यह भी कहा कि केवल सैंपल लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट समय-समय पर कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत की जाए। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने वाले व्यापारियों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग को बाजारों में लगातार निरीक्षण बढ़ाने तथा त्योहारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ.व्ही.एस.चंदेल सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पी.एम. एयर एम्बुलेंस योजना संध्या के लिए बनी संजीवनी, मिली नई जिंदगी

शहडोल। पीएम एयर एम्बुलेंस योजना गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को समय पर एक शहर से दूसरे शहर तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। यह योजना मरीजों के लिए जीवन जीने की नई उम्मीद बनकर सामने आई है तथा आपात स्थिति में संजीवनी का कार्य कर रही है।

केंद्र एवं राज्य सरकार हर जरूरतमंद व्यक्ति के बेहतर उपचार हेतु प्रतिबद्ध है। लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार, निःशुल्क दवाइयां, जननी सुरक्षा योजना सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

शहडोल जिले के ग्राम खड्डा निवासी श्रीमती रूक्मणी दाहिया की 8 दिवस की पुत्री संध्या को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना से नया जीवन मिला है। जन्म के मात्र 8 दिन बाद ही संध्या गंभीर जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित पाई गई थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के निर्देशन में आरबीएसके प्रबंधक श्रीमती कंचन पटेल एवं आरबीएसके टीम के अथक प्रयासों से बालिका को जबलपुर से एयर एम्बुलेंस के माध्यम से मुंबई स्थित निजी अस्पताल में उपचार हेतु भेजा गया। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा संध्या की सफल सर्जरी की गई। वर्तमान में बच्ची पूर्णतः स्वस्थ है। श्रीमती रूकमणी दाहिया ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण निजी अस्पताल में उपचार कराना संभव नहीं था, लेकिन आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के माध्यम से बच्ची का मुंबई में पूर्णतः निःशुल्क उपचार हुआ। उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और संवेदनशील प्रयासों से उनकी बेटी को नया जीवन मिला है।

गंगा दशमी पर ग्राम नेमुहा में निकली भव्य कलश यात्रा, जल संरक्षण का दिया संदेश

चन्नौडी। बुढार जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम नेमुहा में गंगा दशमी के पावन अवसर पर "जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत सामूहिक जल स्रोत पूजन, शिव मंदिर में जलाभिषेक, स्वच्छता अभियान एवं भव्य कलश यात्रा का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम जन अभियान परिषद के सम्भागीय समन्वयक भीम सिंह डामोर एवं जिला समन्वयक विवेक पांडेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम स्थित शंकर मंदिर परिसर में जल स्रोत पूजन के साथ हुई, जहां ग्रामीणों ने जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का संकल्प लिया। इसके पश्चात शिव मंदिर में विधि-विधान से जलाभिषेक किया गया। महिलाओं एवं युवतियों ने सिर पर कलश धारण कर बाजे-गाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली, जिससे पूरे गांव का वातावरण भक्तिमय हो गया।इस अवसर पर ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जल ही जीवन है और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल स्रोतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। अभियान का उद्देश्य लोगों में जल के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना तथा पारंपरिक जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।कार्यक्रम में डिप्टी रेंजर पराग सिंह धुर्वे, सरपंच लखन सिंह, सचिव दिवान सिंह, बाबूलाल यादव,नवांकुर संस्था श्री बजरंग ग्राम विकास समिति चन्नौडी सचिव सुरेश मिश्रा सदस्य रुही बेगम प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष अभिलाष चतुर्वेदी, सचिव दीपेश शर्मा, सूरज नामदेव, राहुल द्विवेदी, रामानुजन कुशवाहा, पप्पू नामदेव, सुधीर मिश्रा, मनोज द्विवेदी, श्री नारायण चौधरी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, समिति सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई तथा जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

युवा टीम बनी बेसहारा पशुओं की सहारा भीषण गर्मी में चारा-पानी की कर रहे व्यवस्था

घर- घर रख रहे पशुओं के लिए जल से भरा नाद

उमरिया। गर्मी शुरू होते ही युवा टीम बेसहारा मवेशियों की सेवा में जुट जाती है। युवा स्वयं के खर्च में कटौती कर मवेशियों के लिए चारा-पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। ताकि मवेशियों को गर्मी में पानी, चारा के लिए भटकना न पड़े।इसी के तहत युवाओं की टोली ने पशुओं को राहत देगा एक नाद अभियान का शुभारंभ किया। पशुपक्षी मित्र हिमांशु तिवारी ने बताया कि बेजुबान जानवरों और पक्षियों को पानी पिलाने के लिए नई व्यवस्था की है।टीम ने स्वयं से सीमेंट के नाद बनाएं हैं। नाद को लोगों के घरों के सामने रखा जा रहा है। लोगों से यह सहमति ली जा रही है कि वे रोज

नाद में स्वयं पानी भरेंगे। यही नहीं नादो की सफाई भी स्वयं ही करेंगे। ताकि जानवरों को रोज साफ-सुथरा पानी मिल सके।गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए पानी की कमी एक बड़ी मुसीबत साबित होती है। पानी के स्त्रोत सूख जाते हैं। ऐसे में पशु-पक्षी पानी के लिए भटकते रहते हैं। इन्हें बचाने यह पहल जरुरी थी।जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जगह-जगह पर नाद में पानी भर कर रखा जा रहा है ताकि पशु और पक्षियों को गर्मी में प्यास बुझाने में सुविधा हो सके। युवाओं ने अपील कि प्रत्येक व्यक्ति को पूरे मनोयोग से इस अभियान में जुड़कर अपना योगदान देना चाहिए। ताकि किसी भी जानवर को पानी की किल्लत न हो। इसी उद्देश्य के साथ लोगों को इस जल सेवा अभियान में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को पूरी गर्मी में आयोजित किया जाएगा।इस दौरान समाज सेवी माया तिवारी,शशिभूषण सिंह,खुशबू सिंह, पशु पक्षी मित्र हिमांशु तिवारी,राघवेंद्र सिंह,दीप्ति सिंह, विद्या तिवारी,सौरव पांडेय व अन्य लोग उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

20 वर्ष की उम्र में बड़ी उड़ान, असित तिवारी का आईआईएम शिलांग में चयन

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जमुना-कोतमा क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवा एवं एसईसीएल कर्मी के पुत्र असित तिवारी ने मात्र 20 वर्ष की आयु में देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन शिक्षण संस्थान आईआईएम शिलांग में चयन प्राप्त कर क्षेत्र और एसईसीएल का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। उल्लेखनीय है कि असित का चयन देश के कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में हुआ था, लेकिन उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए आईआईएम शिलांग को चुना। असित ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के त्याग, मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन को दिया। साथ ही उन्होंने अपने नाना योगेंद्र द्विवेदी, सेवानिवृत्त डिप्टी कलेक्टर तथा बड़े पापा शरद तिवारी, संचालक भौमिकी छत्तीसगढ़, को अपनी प्रेरणा बताया। उनका कहना है कि परिवार से मिले संस्कार, अनुशासन और सकारात्मक वातावरण ने उन्हें हमेशा बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। असित की शैक्षणिक यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। उन्होंने वैश्विक महामारी के दौरान घर पर रहकर अध्ययन करते हुए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मुख्य एवं उन्नत दोनों परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं। इसके बाद उन्होंने आईआईटी मद्रास में अध्ययन किया तथा भारतीय विदेश व्यापार संस्थान से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। क्षेत्र के लोगों ने कहा कि असित तिवारी की उपलब्धि युवाओं के लिए संदेश है कि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर हो तो सफलता जरूर मिलती है। उनकी उपलब्धि क्षेत्र के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की नई प्रेरणा दे रही है।

गंगा दशहरा दिवस पर आज आरंडी संगम में होगा विशेष पूजा-पाठ, हवन एवं भंडारा

अमरकंटक। मध्य प्रदेश की प्रमुख आध्यात्मिक एवं धार्मिक तीर्थ नगरी अमरकंटक के प्रमुख आस्था स्थलों में से एक मां नर्मदा नदी के आरंडी संगम तट स्थित योगीराज सीताराम दास जी महाराज के गुफा आश्रम में 26 मई ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष दशमी तिथि एवं उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के पावन अवसर पर गंगा दशहरा पर्व विशेष श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर आश्रम में विशेष पूजन-अर्चन, अभिषेक, पाठ, भजन-कीर्तन, मानस आरती तथा भोजन प्रसादी भंडारे का आयोजन किया जाएगा। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर दूरस्थ क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिवर्ष आरंडी संगम पहुंचकर स्नान, दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर धर्म लाभ अर्जित करते हैं। गंगा दशहरा का यह पर्व आरंडी संगम तट के लिए विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व रखता है। मान्यता है कि इस दिन यहां स्नान, ध्यान, दर्शन एवं पूजन-अर्चन करने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। आरंडी संगम आश्रम के प्रमुख केदारनाथ महाराज ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रातःकाल से विशेष स्नान, अभिषेक, पूजन-अर्चन एवं हवन प्रारंभ होगा। इसके उपरांत दोपहर 12 बजे से कन्या भोजन, संत भोजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहभागिता करने तथा धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की है।

मां नर्मदा से मिलने अमरकंटक आती हैं मां गंगा, स्नान, दान और साधना का महापर्व

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। भारतीय सनातन परंपरा में व्रत, पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, लोक कल्याण और प्रकृति के प्रति श्रद्धा के प्रतीक माने गए हैं। इन्हीं पावन पर्वों में एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पर्व है गंगा दशहरा, जिसे धर्मग्रंथों में पुण्य, पापक्षालन और आध्यात्मिक उन्नति का महापर्व कहा गया है। इस वर्ष गंगा दशहरा विशेष संयोग के साथ ज्येष्ठ अधिक मास में पड़ रहा है, जिससे इसकी आध्यात्मिक महत्ता और अधिक बढ़ जाती है। ज्योतिषाचार्य पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार शास्त्रों में वर्णित है।

गेहूं खरीदी और बिजली संकट पर फूटा किसानों का गुस्सा

अनूपपुर की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

जाम से दो हिस्सों में बटा अनूपपुर, घंटों तक लगा रहा लंबा जाम

अनूपपुर में किसानों का गुस्सा आखिरकार सड़कों पर फूट पड़ा है। गेहूं खरीदी में अव्यवस्था, समर्थन मूल्य की समस्या और लगातार हो रही बिजली कटौती के खिलाफ हजारों किसान जिला मुख्यालय पहुंच गए। हाथों में तिरंगा, बैनर और नारों के साथ किसानों ने विशाल रैली निकालकर प्रशासन को खुली चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर तत्काल कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र होगा।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पूरे शहर में "अन्नदाता की हुंकार" गूंजती रही और जिला मुख्यालय आंदोलन का केंद्र बन गया है साथ ही किसानों की भीड़ और ट्रैक्टरों की संख्या ने शहर को दो हिस्सों में बांट दिया और आपातकालीन वाहन भी जाम में फंसे रहे है खबर लिखे जाने तक करीब 8 घंटे तक लंबा जाम लगा रहा है।

अनूपपुर में किसानों का धैर्य अब जवाब देता दिखाई दे रहा है। खेती-किसानी से जुड़े लगातार बढ़ते संकटों के बीच किसानों ने जिला मुख्यालय में विशाल प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की। गेहूं खरीदी केंद्रों में हो रही देरी, समर्थन मूल्य का लाभ न मिलना, खाद-बीज की किल्लत और बिजली की अनियमित सप्लाई ने ग्रामीण क्षेत्रों में असंतोष का माहौल पैदा कर दिया है। इसी नाराजगी ने मंगलवार को बड़े जनआंदोलन का रूप ले लिया, जब सैकड़ों की संख्या में किसान गांवों से ट्रैक्टर, बाइक और पैदल रैली के रूप में जिला मुख्यालय पहुंचे। किसानों का कहना है कि सरकार किसानों के हितों की बड़ी-बड़ी बातें तो करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। खेतों में सिंचाई के लिए बिजली नहीं मिल रही, खरीदी केंद्रों पर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है और कई किसानों की उपज अब तक नहीं खरीदी गई। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो यह आंदोलन जिले से निकलकर प्रदेशव्यापी रूप ले सकता है।

तिरंगे और नारों से गूंजा जिला मुख्यालय

किसानों की रैली ने पूरे अनूपपुर शहर को आंदोलनमय बना दिया। हाथों में तिरंगा और मांगों से जुड़े बैनर लेकर किसान सड़कों पर उतरे और प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती रैली को देखने लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रदर्शन में महिलाओं और बुजुर्ग किसानों की मौजूदगी ने आंदोलन को और मजबूत बना दिया। किसानों का कहना था कि वे अधिकार मांग रहे हैं, किसी पर एहसान नहीं। लंबे समय से अनसुनी की जा रही समस्याओं ने उन्हें सड़क पर उतरने को मजबूर कर दिया है।

गेहूं खरीदी में अव्यवस्था से किसानों में भारी नाराजगी

प्रदर्शन का सबसे बड़ा मुद्दा गेहूं खरीदी व्यवस्था रही। किसानों ने आरोप लगाया कि खरीदी केंद्रों पर भारी अव्यवस्था फैली हुई है। कई किसानों को दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है, जबकि कुछ की उपज अभी तक खरीदी ही नहीं गई। समर्थन मूल्य का लाभ भी समय पर नहीं मिल पा रहा। किसानों का कहना है कि मेहनत से उगाई गई फसल खुले आसमान के नीचे खराब हो रही है, लेकिन प्रशासनिक अमला केवल कागजी कार्रवाई में व्यस्त है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है।

बिजली कटौती ने बढ़ाया खेती का संकट

धरना स्थल पर किसानों ने बिजली व्यवस्था को लेकर भी जमकर नाराजगी जाहिर की। उनका कहना है कि गांवों में घंटों बिजली गुल रहती है, जिससे सिंचाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। रात-रात भर किसान मोटर चालू होने का इंतजार करते हैं, लेकिन बिजली की अनियमित सप्लाई खेती के लिए सबसे बड़ा संकट बन चुकी है। किसानों ने आरोप लगाया कि गर्मी के इस मौसम में बिजली विभाग की लापरवाही ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है। यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो आने वाले समय में उत्पादन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

किसान नेताओं की चेतावनी, अब आर-पार की लड़ाई

धरना प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने प्रशासन और सरकार को दो टूक संदेश दिया कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समर्थन मूल्य, बिजली सप्लाई और सिंचाई से जुड़ी समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और बड़ा किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि किसान अब चुप बैठने वाला नहीं है और जरूरत पड़ी तो प्रदेश स्तर पर चक्का जाम और उग्र आंदोलन भी किया जाएगा। किसानों की एकजुटता ने साफ संकेत दे दिया कि यह लड़ाई लंबी चल सकती है।

ग्रामीण अंचलों से उमड़ा जनसैलाब, प्रशासन पर बढ़ा दबाव

इस आंदोलन की सबसे बड़ी खासियत ग्रामीण क्षेत्रों से किसानों की भारी भागीदारी रही। दूर-दराज गांवों से पहुंचे किसानों ने साबित कर दिया कि यह केवल एक संगठन का प्रदर्शन नहीं बल्कि पूरे किसान समाज की आवाज है। बड़ी संख्या में ट्रैक्टर और बाइक रैली के रूप में पहुंचे किसानों ने प्रशासन पर दबाव बढ़ा दिया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी करनी पड़ी। अब सबकी नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी है, क्योंकि किसानों ने साफ कर दिया है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन रुकने वाला नहीं है।

मौन आक्रोश के साथ उठी संत सुरक्षा की मांग

जैन समाज ने निकाला शांतिपूर्ण जुलूस, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। जैन समाज बिजुरी द्वारा रीवा मध्य प्रदेश में 20 मई को कार चालक राशिद अली शाह द्वारा जैन साध्वी पूज्य श्रुतमति माताजी एवं उपसममती माताजी के ऊपर रीवा कलेक्ट्रेट के पास जानबूझकर वाहन चढ़ाकर हत्या कर दी गई उक्त घटना में दो जैन साध्वियों का निधन हो गया यह कुठारा घात संपूर्ण संत समाज के लिए ही नहीं बल्कि संपूर्ण जैन समाज आहत है। कैसे निर्दयी लोग साधु संतों पर भी हमला कर रहे हैं बिजुरी जैन समाज द्वारा मौन जुलूस निकालकर बिजुरी थाना प्रभारी के माध्यम से ज्ञापन सौंप कर महामहिम राष्ट्रपति, राज्यपाल, प्रधानमंत्री, पुलिस अधीक्षक जैसे विभिन्न प्रमुख जनों के नाम संबोधित ज्ञापन सौंप कर साधु संतों की सुरक्षा की व्यवस्था एवं उक्त घटनाकरित करने वाले राशिद अली शाह को कठोरतम दंड फांसी की सजा हो ऐसी मांग की गई। यह घटना अहिंसा का संदेश देने वाले जैन समाज के साधु संतों के साथ की गई जिससे संपूर्ण जैन समाज आहत है मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पुलिस महानिदेशक मध्य प्रदेश उपरोक्त विषय को संज्ञान में लेकर कठोरता से कार्यवाही करें तथा हमारे मांग पत्र के अनुसार साधु संतों की सुरक्षा एवं समाज के हित में समुचित निर्णय लेकर सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करने का आग्रह किया गया उपरोक्त धरना प्रदर्शन में बिजूरी जैन समाज के अध्यक्ष मुकेश जैन ने बताया उक्त घटना से अखिल भारतीय जैन समाज आहत और दुखी है ऐसे साधु संत जो पैदल बिहार करते हैं समाज को अहिंसा का संदेश देते हैं उनके साथ इस तरह की दुर्घटना कर हत्या कर देना बहुत ही निंदनीय है ऐसे हत्यारों को सरेआम मौत की सजा देनी चाहिए उपरोक्त कार्यक्रम में थाना प्रभारी बिजरी को मौन जुलूस के माध्यम से ज्ञापन सौंपने वालों में गुलाबचंद जैन, नरेश जैन, संतोष जैन, संजय जैन, कमलेश जैन, वैभव जैन, शैलेश जैन, नितिन जैन, आर्जव जैन, अस्तित्व जैन, रितेश जैन, सौरभ जैन, अनुज जैन, सनी जैन, अमित जैन, प्रियेश जैन, सोनू जैन, विनय जैन, संजय जैन, सम्यक जैन, आदि जैन, रोहित जैन साथ ही समाज की महिलाएं सारिका जैन, ज्योति जैन, अनामिका जैन, संध्या जैन, शैली जैन, सोनिया जैन, आकांक्षा जैन, सुरभि जैन, कविता जैन, अंतिम जैन, प्रियंका जैन, हनी जैन, मनो जैन, अनीता जैन प्रियंका जैन, सौम्या जैन उपरोक्त मौन जुलूस प्रदर्शन में सम्मिलित रहे।

लोकतंत्र की दहलीज पर धरना: अविश्वास प्रस्ताव दबाने के आरोप में अनूपपुर में जनप्रतिनिधियों का बगावती बिगुल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर में जनपद पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। समय-सीमा बीतने के बावजूद विशेष बैठक न बुलाए जाने से नाराज जनपद सदस्यों ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना देकर लोकतंत्र की रक्षा का बिगुल फूंक दिया है। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि प्रशासन जानबूझकर मामले को दबाकर राजनीतिक संरक्षण देने में जुटा है। धरने ने अब पूरे जिले की राजनीति में भूचाल ला दिया है। जनपद पंचायत अनूपपुर में सत्ता की कुर्सी बचाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को रोकने के आरोपों के बीच जिले का सियासी तापमान अचानक बढ़ गया है। अविश्वास प्रस्ताव की वैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद जिला प्रशासन द्वारा विशेष सम्मेलन की तारीख घोषित न किए जाने से नाराज करीब 13 जनपद सदस्य खुलकर मैदान में उतर आए हैं। कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठे इन जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन पर सीधा आरोप लगाया है कि वह राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है और पंचायत राज व्यवस्था की आत्मा को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की शुरुआत 11 मई को हुई शिकायत से जुड़ी बताई जा रही है, जिसमें जनपद अध्यक्ष की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। नियमानुसार 15 दिनों के भीतर विशेष बैठक बुलाना अनिवार्य था, लेकिन तय अवधि गुजर जाने के बाद भी प्रशासन की चुप्पी ने पूरे मामले को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है। धरने पर बैठे सदस्यों का कहना है कि यदि लोकतांत्रिक अधिकारों का यही हाल रहा तो आने वाले समय में जनता का भरोसा पूरी व्यवस्था से उठ जाएगा।

लोकतंत्र बनाम प्रशासन, धरने ने खोली सिस्टम की परतें

कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठे जनपद सदस्यों का गुस्सा केवल एक प्रस्ताव तक सीमित नहीं दिखा, बल्कि यह प्रशासनिक निष्क्रियता के खिलाफ खुला विद्रोह बन गया। सदस्यों ने आरोप लगाया कि अविश्वास प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डालकर प्रशासन लोकतंत्र की हत्या कर रहा है। धरने के दौरान जनप्रतिनिधियों ने साफ कहा कि यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज ही दबा दी जाएगी तो पंचायत राज व्यवस्था का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। इस प्रदर्शन ने प्रशासन की निष्पक्षता और कार्यशैली दोनों पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

15 दिन की समय-सीमा खत्म, फिर भी बैठक नहीं

मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के तहत अविश्वास प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद निर्धारित समय के भीतर विशेष बैठक बुलाना अनिवार्य माना गया है। लेकिन अनूपपुर में समय-सीमा समाप्त होने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं हुई। यही कारण है कि मामला अब केवल पंचायत राजनीति तक सीमित नहीं रहा बल्कि कानूनी और संवैधानिक बहस का विषय बन चुका है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि नियमों की खुलेआम अनदेखी होगी तो जनता के विश्वास का संकट और गहरा जाएगा।

राजनीतिक दबाव के आरोपों से गरमाई सियासत

धरने पर बैठे सदस्यों ने बिना नाम लिए कई प्रभावशाली राजनीतिक चेहरों पर दबाव बनाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि जिला प्रशासन निष्पक्ष भूमिका निभाने के बजाय सत्ता बचाने के मिशन में लगा दिखाई दे रहा है। यही वजह है कि अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया को जानबूझकर लंबा खींचा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में भी यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर ऐसा कौन सा दबाव है, जिसके कारण प्रशासन वैधानिक कार्रवाई से बचता नजर आ रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने जिले की राजनीति को उबाल पर ला दिया है।

जनप्रतिनिधियों की चेतावनी, अब आर-पार की लड़ाई

धरने के दौरान जनपद सदस्यों ने प्रशासन को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द बैठक की तारीख घोषित नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने साफ कहा कि लोकतंत्र बचाने की यह लड़ाई अब किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे जनमत की लड़ाई बन चुकी है। सदस्यों ने स्वतंत्र पीठासीन अधिकारी नियुक्त करने और निष्पक्ष मतदान कराने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि यदि प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटता है तो पूरे जिले में व्यापक जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा।

अनूपपुर की राजनीति में मचा भूचाल

इस धरने ने अनूपपुर की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। पंचायत स्तर का विवाद अब जिला स्तर की बड़ी राजनीतिक लड़ाई का रूप लेता दिखाई दे रहा है। धरने में शामिल महिला और पुरुष जनप्रतिनिधियों की एकजुटता ने प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। स्थानीय लोगों के बीच भी यह चर्चा तेज हो गई है कि यदि जनप्रतिनिधियों को ही न्याय नहीं मिलेगा तो आम जनता की सुनवाई कैसे होगी। आने वाले दिनों में यह आंदोलन जिले की राजनीति की दिशा और दशा दोनों बदल सकता है।

रेत से भरा ट्रैक्टर ट्रॉली वन विभाग बिजुरी ने किया जप्त

हरिभूमि न्यूज बिजुरी।

शशिधर अग्रवाल वन परिक्षेत्र बिजुरी में वन अपराध के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में दिनाँक 24 -25 मई की दरम्यान रात को बेलगांव बीट के वन क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन परिवहन में संलग्न ट्रैक्टर ट्रॉली कों जप्त कर वन अपराध दर्ज किया गया। 24 - 25 मई की दरमियानी रात मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की बीट बेलगांव के कक्ष 529 कनई नदी से ट्रैक्टर ट्रॉली के द्वारा रेत का उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है मुखबिर की सूचना पर टीम गठित कर मौक़ा स्थल पर भेजा गया. टीम के द्वारा स्वराज कम्पनी का सोल्ड ट्रैक्टर ट्रॉली को घेरा बंदी कर वन क्षेत्र में उत्खनन स्थल पर रोक कर रेत उत्खनन एवं परिवहन के संबंध में वैध दस्तावेजों की मांगने पर वाहन चालक रंजीत सिंह पिता बुद्धू सिंह नि, सरई नाका थाना बिजुरी द्वारा रेत उत्खनन परिवहन के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं किए जाने की दशा में वन अधिकारियों को सूचित कर प्राप्त निर्देशानुसार वाहन चालक के खिलाफ वन अपराध दर्ज कमाक 4728/13 दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही करते ट्रैक्टर ट्रॉली कों जप्त कर परिक्षेत्र कार्यालय बिजुरी लाया गया आरोपी वाहन चालक एवं वाहन मालिक के विरुद्ध प्रथम दृष्टया वन अपराध कारित किए जाने पर भारतीय वन अधिनियम 1927 की वन अपराध दर्ज कर अपराध में संलिप्त ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त करते हुए परिक्षेत्र कार्यालय बिजुरी लाया गया।

बिजुरी कांड की सीबीआई जांच की मांग तेज, भगवा पार्टी ने एसआईटी पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

बिजुरी कांड को लेकर जिले में राजनीतिक और सामाजिक आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। मामले की निष्पक्ष जांच की मांग अब तेज हो गई है। भारतीय गण वार्ता (भगवा) पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल मिश्र ने पूरे प्रकरण की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में गठित एसआईटी से निष्पक्ष जांच की उम्मीद करना मुश्किल है, क्योंकि पूरे घटनाक्रम में पुलिस प्रशासन की भूमिका भी संदेह के घेरे में दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई, फिर आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और उसके बाद मामले के एकमात्र चश्मदीद गवाह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इन घटनाओं ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है।

कन्हैया लाल मिश्र ने बयान जारी करते हुए कहा कि बिजुरी कांड की सच्चाई सामने लाने के लिए स्वतंत्र एजेंसी द्वारा जांच कराना बेहद जरूरी है। उनका आरोप है कि मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है तथा जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि मीडिया से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। इससे आम जनता के बीच अविश्वास की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी नहीं हुई तो जनता का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा। भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि मामले को तत्काल सीबीआई को सौंपा जाए, ताकि दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई हो सके और पीड़ित पक्ष को न्याय मिल सके। जिला अध्यक्ष ने कहा, जब जांच एजेंसियों पर ही सवाल खड़े हो रहे हों, तब एसआईटी जैसी व्यवस्था केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है। जनता अब सच जानना चाहती है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की अपेक्षा कर रही है।